Prepp
Your Personal Exams Guide

PAPER – II

पत्र – II

NAGPURI LANGUAGE AND LITERATURE

नागपुरी भाषा एवं साहित्य

Full Marks : 150
पूर्णांक : 150

Time : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

(1) कुल छव ठो सवाल कर जबाब देऊ । प्रश्न स. -01 आउर - 05 अनिवार्य हॅय ।

(2) हरेक खण्ड से- 01 आउर - 05 अनिवार्य सवाल कर अलावे कम से कम एक ठो सवाल कर जबाब एक खण्ड से देवेक जरूरी हॅय ।

Marks
गुण

खण्ड – क

1. हेठे देल में से कोनो **पाँच** ठो सवाल कर जबाब संक्षेप में देऊ । (7×5=35)

   (क) नागपुरी में एकवचन से बहुवचन कइसे बनाल जायला ? उदाहरन संगे लिखु ।

   (ख) नागपुरी कर कारक चिन्हा के उदाहरन संगे समझाऊ ।

   (ग) नागपुरी भाषा कर उद्‌भव कहॉ से होइ हें ? लिखु ।

   (घ) नागपुरी भाषा कर मुद-मुद बिसेसता मनक उल्लेख करू ।

   (ङ) नागपुरी 'सर्वनाम' चाहे 'काल' कर बारे में बताऊ ।

   (च) नागपुरी जनानी झुमइर आउर मरदानी झुमइर में का फरक हॅय ।

   (छ) फगुआ राग कर बारे में बताऊ ।

2. नागपुरी भाषा कर विकास उपरे सिलसिलेवार लेख लिखु । 20

3. देवनागरी लिपि कर उद्‌भव आउर विकास कइसे होलक ? बताऊ । 20

4. उपसर्ग का हके ? नागपुरी में उपसर्ग आउर प्रत्यय में का फरक हॅय ? समझाए के लिखु । 20

Prepp
Your Personal Exams Guide

Marks
गुण

खण्ड – ख

5. हेठे देल में से कोनो पाँच ठो सवाल कर जबाब लिखु । (7×5=35)

(क) नागपुरी कवि हनुमान सिंह कर कोनो रचना के लिखु ।

(ख) नागपुरी कवि सोबरनराय कर कृतिमनक चर्चा करू ।

(ग) सहनी उपेन्द्र पाल 'नहन' कर कोनवे कहनी कर बारे में बताऊ ।

(घ) सरहुल परब कहिया मनाल जायला आउर काले ? बताऊ ।

(ङ) विसेश्वर प्र. केशरी कर कृतिमनक चर्चा करू ।

(च) हेठे देल गद्यांश कर संक्षेपण करू ।

जेकर भासा कर आपन साहित हॅय उकरे में आपन इतिहास लुकल हॅय आउर साहित्य इतिहास में काल विभाजन करल जायला सही मायने में इतिहास लिखेक बटे केकरू ध्यान नी जायला । कालेकि परमानिक इतिहास लिखेक असंभव नइ तो कढिन जरूरे हॅय । लोकसाहित्य आउर शिष्ट साहित्य बगरा समरीद हॅय । लोकसाहित्य कर जनम तो मनुख कर संगे होयहें । नागपुरी शिष्ट साहित्य कर ओर नागवंशी परिया से मानल जायहें । नागवंशी कर राजा रधुनाथ नृपति से नागपुरी गीतमन मिलेला । नागपुरी शिष्ट साहित्य कर ओर इनकरे से मानल जायहें । इनकर उपरे चैतन्य महाप्रभु कर परभाव दिसेला ।

(छ) झारखंड कर पारम्पारिक कला मिट्टी कला कर बारे में बताऊ ।

6. नागपुरी साहित कर विकास में दोसर साहित मनक का परभाव हॅय ? 20

7. हेठे देल गद्यांश के नागपुरी में अनुवाद करू । 20

जिसने भी इस धरती में जन्म लिया है उसे एक दिन मृत्यु अपने आगोश में समेटलेगी । ईश्वर द्वारा प्रदत्त इस शरीर को अच्छे कार्यों में लगाना चाहिए । कभी-कभी हम स्वार्थ से वशीभुत होकर अपनी ज्ञान की ऑखों बंद कर देते है । पेट तो हमारा छोटा है किन्तु इच्छाऐं अनन्त है । कभी पेट की भुख मिटाने के बहाने तो कभी मन की तृष्णा शांत करने के लिए मानवता को भुल जाते है । हमारे जीवन का उदेश्य यही होना चाहिए कि यह जीवन देश और देशवासियों के लिए काम आए । अपने जीवन को धन्य करना तो अपने हाथ में ही है ।

Prepp
Your Personal Exams Guide

Marks
गुण

8. हेठ देवल अनुच्छेद के पढु आउर पाँच में से कोनवे **तीन** ठो सवाल कर जबाब लिखु । 20

'सातो नदी पार' उपन्यास कर कथावस्तु धुमरेला रामपुर गॉव आउर हुवॉ कर रहेकवाला गंझु साहेब कर नागपुरी संस्कृति में सनाल लेपटाल परिवार कर चाइरो बट अजय गंझु साहेब कर बेटा हकयॅ आउर बेटी जानकी । कहेक ले तो गंझु साहेब-धरे उनकर करिन्दा रहे मुदा धर कर हर जिम्मेवारी उकरे रहे। गंझु आउर गझुइन कर श्वास नेह शभु आउर उकर बेटा अमर उपरे रहे । अजय झारखंड कर राजनिति में सक्रिय रहे । माटी कर रक्षा ले उकर जान न्योधावर रहे । मुदा आगे कर पढ़इ ले उके 'नासा' जइसन प्रतिष्ठित संस्थान में जायक मोका लागलक तो आपन इच्छा के रोकेक नी पारलक । अमर शहर में पढ़त रहे मुदा उकर मन रमल रहे गॉव कर सोच सुभियार रतनी में । देखत रहे सपना गॉव ठीन बहेक वाला सातो नदी में पुल बनुयाक कर जेके अधुरा छोइड़के अजय परदेसी होय जाय रहॅय । बेटी जानकी भी केकरे से पाधे नइ रहेला । कढिन परिस्थिति में नहियर से सोसराइर सउमके ताइर देवेला । जनाना मन ले आदर्स बनेला । इ उपन्यास परिवेश के उजागर करेला । झारखंड गॉव जहॉ भइयादी सहियारो आउर मदइती परंपरा हॅय । जे जाइत आउर धरम कर भेदभाव नइ जाने । जहॉ सउ में अदमी-दीदी-काका-काकी, बड़ा-बड़ी कर अटुट नाता हॅय ।

(क) उपरे कर गद्यांश में कोन-कोन पात्र मनक उल्लेख हॅय ?

(ख) जानकी कइसन छोड़ी रहे ?

(ग) अजय काले विदेस चइल गेलक ?

(घ) गॅवइयामन कइसन नाता से जुड़ल रहयना ?

(ङ) 'सातो नदी पार' उपन्यास में झारखंड कर कइसन गॉव कर चित्रण मिलेला ?